सूर्या फाउण्डेशन

आदर्श गाँव योजना

वृक्षारोपण महाअभियान – 2022

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना की प्रेरणा से देशभर के 18 राज्यों में 400 गाँवों के 40 हजार परिवारों द्वारा 2 लाख 12 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा किया

suryaadarshgaonyojna | suryafoundation1 | surya_foundation | @suryafnd | suryafoundation

हमारे प्रेरणास्रोत

सालूमरदा थिमक्का जी

सालूमरदा थिमक्का जी का जन्म 1910 में कर्नाटक के गुब्बी तालुका के एक गाँव टुमकुर में हुआ, इन्होंने अकेले ही बरगद के 400 पेड़ों समेत 8000 से ज्यादा पेड़ लगाये। इसीलिए उन्हें **वृक्ष माता** के नाम से जाना जाता है। यदि कोई व्यक्ति अच्छी नियति के साथ अच्छा कार्य प्रारंभ करता है, तो ईश्वर उसकी मदद स्वयं करता है। इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है, कर्नाटक की सालूमरदा थिमक्का ने। कन्नड़ भाषा में सालूमरदा का मतलब वृक्षों की पंक्ति होता है। सालूमरदा थिमक्का जी को 2019 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

दरीपल्ली रमैया जी एक सच्चे पर्यावरण प्रेमी हैं। जिन्होंने अपना पूरा जीवन पौधे लगाने और उन्हें बचाने के लिए समर्पित कर दिया। 68 वर्षीय दरिपल्ली रमैया जी एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने 1 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए। उनके गाँव के आसपास हजारों मील की बंजर भूमि अब हरियाली की चादर से ढँकी है। वे तेलंगाना राज्य के खम्मम जिले के छोटे से गाँव से हैं। पर्यावरण में आ रहे बदलाव और बढ़ते प्रदूषण की मात्रा से उनका मन हमेशा दुखी रहता था। तभी उनके मन में वृक्ष लगाने का विचार आया। फिर क्या था, वे रोज जेब में बीज और साइकिल पर पौधे रखकर जिले का लंबा सफर तय करते, जहाँ भी खाली भूमि दिखाई देती, वहीं पौधा लगा देते थे। वे पौधा लगाते और स्वयं उसकी देखभाल भी करते हैं। जिन्होंने अपना सारा जीवन ऐसे कार्य को करते हुए बिताया, जिससे दूसरों को लाभ हो और आने वाली पीढ़ी की जिंदगी सुधर सके।

दरीपल्ली रमैया जी

वृक्षारोपण महाअभियान

भीखपुरी गोस्वामी
(अभियान प्रमुख)

सूर्या फाउण्डेशन विगत 25 वर्षों से अलग-अलग प्रकल्पों के माध्यम से समाज व राष्ट्रहित में सेवाकार्य कर रहा है। संस्था द्वारा आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत देश के 400 गाँवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, संस्कार, समरसता के क्षेत्र में सेवाकार्य चल रहा है।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से देशभर में 2 लाख वृक्षारोपण करने का लक्ष्य रखा गया था। देश के 18 राज्यों के 400 गाँवों के 40 हजार परिवारों के माध्यम से कुल 2 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा किया गया। जिसमें 1 लाख 35 हजार फलदार, 51 हजार छायादार, 25 हजार औषधीय पौधे लगाए गए। इसके साथ ही वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत **हरियाली तीज** पर 31 जुलाई 2022 को **एक गाँव, एक दिन, 3 सहजन के पौधे** लगाने का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कुल **400 गाँवों** में **1500 सहजन के पौधे** लगाये गये एवं **रक्षाबंधन** पर **एक गाँव-एक स्थान-एक पौधा (बरगद/पीपल) कार्यक्रम** के तहत **400 गाँवों** में **672 पौधे** रोपित किये गये।

वृक्षारोपण महाअभियान 1 जुलाई से 31 अगस्त 2022 तक चलाया गया। इस महाअभियान को 80 बार प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में स्थान मिला।

चयनित आदर्श गाँव में वृक्षारोपण कार्य

विकास विश्वकर्मा
(चयनित आदर्श गाँव प्रमुख)

सूर्या फाउण्डेशन देशभर के 400 गाँवों में सेवा का कार्य कर रहा है। जिनमें से 13 गाँवों का चयन कर शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में कई सफल प्रयोग चल रहे हैं। चयनित गाँवों के कार्यकर्ता जब सभी कार्यों में अपना सकारात्मक परिणाम दिखाते हैं तो वृक्षारोपण के कार्य में पीछे कैसे रह सकते हैं। सूर्या फाउण्डेशन–आदर्श गाँव योजना द्वारा चलाया जाने वाला वृक्षारोपण अभियान मानो अब गाँवों का अभियान बन गया है। वर्षा शुरू होते ही गाँवों में पौधारोपण का कार्य शुरू हो जाता है। पौधा लगाने के बाद उनकी सुरक्षा के लिए ट्री–गार्ड भी लगाए जाते हैं। लगातार कई वर्षों से वृक्षारोपण का कार्य होने से नांदियाकला, मूण्डला एवं बसई गाँव में कई वाटिकाओं क निर्माण किया गया है। जिससे गाँव का दृश्य सुंदर एवं हराभरा रहता है।

बसई (उत्तराखण्ड)

नयागाँव (हरियाणा)

मुण्डला (मध्य प्रदेश)

हरियाली तीज पर्व पर लगे सहजन के पौधे

31 जुलाई 2022

हरियाली तीज का पर्व महिलाओं के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इस अवसर पर सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत 400 गाँवों में 1500 सहजन के पौधे लगाए गये। सभी गाँवों में संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा पौधारोपण करवाकर गाँव के एक परिवार को एक पौधे के रख-रखाव की जिम्मेदारी भी दी गयी। सभी ग्रामीणों ने इस उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में महिलाओं की विशेष सहभागिता रही।

एक गाँव-एक दिन-एक पौधा (बरगद/पीपल)

11 अगस्त 2022

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना द्वारा चलाये जा रहे वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत इस वर्ष 19 राज्यों के 400 गाँवों में 546 वृक्ष मित्रों के माध्यम से रक्षाबंधन पर्व पर बरगद के 672 पौधे लगाये गये। सभी ने पौधों की सुरक्षा करने का संकल्प भी लिया। संस्था कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर ग्रामवासियों ने एक गाँव, एक दिन, एक बरगद का पौधा कार्यक्रम को सफल बनाया। ये पौधे अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक ऑक्सीजन देते हैं, जो मनुष्य जीवन के लिए वरदान स्वरूप है।

अवध (उ.प्र.)

गोरखपुर (उ.प्र.)

बरेली (उ.प्र.)

दीनदयाल धाम (उ.प्र.)

कानपुर (उ.प्र.)

काशी (उ.प्र.)

मेरठ (उ.प्र.)

SURYA FOUNDATION
IDEAL VILLAGE PROJECT
PLANTATION
CAMPAIGN 2022
हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश)

SURYA FOUNDATION
Adarsh Gaon Yojna
Tree Plantation
Campaign 2022
हम सबने यह ठाना है, घर-घर पेड़ लगाना है।
बिदर (कर्नाटक)

वृक्षारोपण महाअभियान
दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)

SURYA FOUNDATION
Adarsh Gaon Y
Tree Plantat
Campaign
असम

सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना
वृक्षारोपण महाअभियान 2022
हम सबने यह ठाना है, घर-घर पेड़ लगाना है।
हरियाणा

मध्य प्रदेश

सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना
वृक्षारोपण महाअभियान 2022
हम सबने यह ठाना है, घर-घर पेड़ लगाना है।
उत्तराखण्ड

नक्षत्र

हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश)

राजस्थान

ज्योतिष के अनुसार 27 नक्षत्र और 12 राशियाँ होती हैं और ज्योतिष ग्रंथो में हर नक्षत्र का सम्बन्ध एक विशेष प्रकार के पेड़ से भी माना जाता है। इसी प्रकार हर राशि के लिए भी एक पेड़ या पौधा माना गया है। अगर व्यक्ति अपने नक्षत्र या राशि के अनुसार पेड़ या पौधे का पोषण और पूजा करे तो भी अनेक लाभ देखे जाते हैं, जीवन सफल हो जाता है। बहुत से लोग अपने घर या खाली जगह में नक्षत्र वाटिका या राशी वाटिका बनाते हैं जिससे की नवग्रहों की कृपा मिले और जीवन सुगम हो जाए। वैसे भी पेड़ पौधे लगाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है, हर पेड़ या पौधे में कोई न कोई औषधि गुण होता है अतः समय समय पर पौधे लगाते रहना चाहिए।

वाटिका

उत्तराखण्ड

भारत ऋषियों की भूमि है उन्हीं ऋषियों ने प्रकृति को अध्यात्म के साथ जोड़कर उनकी उपयोगिता जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए और उन्हें प्रयासों को सूर्या फाउण्डेशन ने नक्षत्र वाटिका के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया इस वर्ष 7 राज्यों में 7 नक्षत्र वाटिका का निर्माण किया गया जिसमें 27 प्रकार के अलग-अलग वृक्ष जो भारत की धरा पर लगते हैं साथ ही उनका पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ औषधीय तथा फलदार पौधों का संपूर्ण मिश्रण इस वाटिका में है जिसमें लंबी आयु के पौधों में वटवृक्ष, पीपल तो आरोग्य की दृष्टि से मदार, अर्जुन, नीम फलदार की दृष्टि से आम जामुन, कटहल आदि पेड़ लगाए गए।

हरियाणा

प्रशंसा पत्र

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

सूर्या फाउंडेशन द्वारा पिछले पांच वर्षों से चलाए जा रहे वृक्षारोपण महा अभियान के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई। हरित और बेहतर कल की दिशा में संस्थान द्वारा किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय है।

वृक्षों के साथ आत्मीय संबंध, प्रकृति के साथ सौहार्द, हमारी परम्पराओं का अभिन्न अंग है। प्रकृति के प्रति यह आदर हमारे त्योहारों से लेकर हमारी प्राचीन कृतियों और हमारे रहन-सहन में स्पष्ट झलकता है।

प्रकृति के साथ सामंजस्य के इसी चिन्तन के साथ जन भागीदारी के माध्यम से हम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में समग्र और संकल्पबद्ध प्रयास कर रहे हैं। यही कारण है कि प्रगति की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से गतिमान भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन वैश्विक औसत से 60 प्रतिशत कम है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, जैसे विषयों पर फाउंडेशन अपना योगदान दे रहा है। पर्यावरण संरक्षण और हरित कवरेज के लक्ष्य को लेकर संस्थान द्वारा 600 गांवों में 5 लाख वृक्षारोपण का अभियान प्रशंसनीय है। आपके प्रयास जन सरोकार से जुड़े विषयों पर औरों को भी आगे आने के लिए प्रेरित करेंगे।

वृक्षारोपण महा अभियान की सफलता और भविष्य के प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली

श्री जय प्रकाश अग्रवाल
चेयरमैन, सूर्या फाउंडेशन
बी- 3/330, पश्चिम विहार
नई दिल्ली- 110063

वात्सल्य ग्राम

दीदी माँ
साध्वी ऋतम्भरा

पत्र क्रमांक– पी.एस.पी./394/2021–22

प्रति,
श्री जयप्रकाश अग्रवाल
चौयरमेन - सूर्या फाउंडेशन
नई दिल्ली

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता है कि आपके विश्वप्रसिध्द औद्योगिक संस्थान सूर्य रोशनी लिमिटेड के अंतर्गत राष्ट्रसेवा में संलग्न 'सूर्या फाउंडेशन' द्वारा देश भर के ६०० गाँवों में पांच लाख पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता है कि इन पौधों के संरक्षण और संवर्धन हेतु संस्था के निष्ठावान कार्यकर्ता इन सभी गाँवों में जनजागरण करते हुए 'वृक्ष मित्र' नागरिक भी तैयार कर रहे हैं।

जब देश में चारों और वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर स्थिति में पहुँच रहा है, तब आपके प्रेरणादायी मार्गदर्शन में 'सूर्या फाउंडेशन' द्वारा पौधारोपण का लोकोपयोगी कार्य किया जा रहा है। आज रोपे गए ये पाँच लाख पौधे आने वाले कल में भारत का प्रदूषण हर कर उसे स्वच्छ और जीवनदायी प्राणवायु प्रदान करेंगे।

आपके इस अनुकरणीय प्रयत्न के प्रति कोटिशः साधुवाद प्रकट करते हुए, आपके स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामनाओं सहित –

(दीदी माँ साध्वी ऋतम्भरा)
परमशक्ति पीठ

DURGA MURMU
Member,
West Bengal Legislative Assembly

Gourigachh
P.O. : Bidhannagar
P.S. : Phansidewa
Dist : Darjeeling
Pin : 734426
M. : 9635981490

Date 14/08/22

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि सूर्या फाउण्डेशन देश भर में वृक्षारोपण अभियान चला रही है जो 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से लेकर 31 अगस्त २०२२ तक चलेगा इसमें आजादी के अमृत महोत्सव के तहत २,00000 लाख फलदार पौधे लगाये जा रहे है। पेड़ प्रकृति के संरक्षण व सम्र्द्धि के साथ ही प्राणी मात्र के लिए भी आवश्यक है। मानव के साथ ही समस्त प्राणी जगत के लिए भी उपयोगी है। फलदार पेड़ों से ग्रामिणों की आय में वृद्धि के साथ ही अच्छे व ताजे फल उपलब्ध होंगे।

वृक्षारोपण महाभियान की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनायें तथा इस पुनित कार्य के लिए पद्म श्री जयप्रकाश जी अग्रवाल एवं उनकी टीम को बहुत बहुत बधाई।

14/08/22
(दुर्गा मुर्मु)
DURGA MURMU
27, PHANSIDEWA
MEMBER
WEST BENGAL LEGISLATIVE ASSEMBLY

Estd : 1994 Mobile : 7780686725

Sri Saraswathi Vidya Mandiram

PRIMARY SCHOOL - ENGLISH MEDIUM
(Affiliated by Sri Saraswathi Vidyapeetam - Anantapuramu)
(Recognised by Govt. of Andhra Pradesh)
SREE HARI NAGAR CHOWLURU - 515 211, Anantapur Dist.,

Ref :- Date :

प्रशंसा पत्र

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित आदर्श गाँव योजना के तहत देश भर में वृक्षारोपण व जल संरक्षण का कार्य किया। जो रहा वो समाज व देश के लिए अच्छा कार्य है इस के तहत सूर्या फाउण्डेशन नें हिन्दूपुर क्षेत्र के चौलूर गाँव श्री सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में पौधारोपण किया इसके लिए सूर्या फाउण्डेशन के धन्यवाद, सूर्या फाउण्डेशन समाज के कार्यों में अग्रसर रहती है जो समाज व देश के लिए होता है हम आशा करते है की सूर्या फाउण्डेशन जैसे ही समाज के लिए निरंतर काम करते रहेंगे।
सूर्या फाउण्डेशन की टीम का बहुत बहुत धन्यवाद।

HEAD MASTER
SREE SARASWATHI VIDYAMANDIR
CHOWLUR SAMITHI

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चलाए जा रहे 6.25 करोड़ वृक्षारोपण महाअभियान का विवरण

वर्ष	2017	2018	2019	2020	2021	2022
फलदार	3270874	1788133	2817747	266081	227811	135440
छायादार	7850092	8940668	6233967	183562	186528	51370
औषधीय	1962523	1192090	1001479	84056	86222	25573
कुल	13083489	11920891	10053139	533699	500561	212383

PLANTATION MIS - 2022

Ser.	Area's Name	Village	Plantation			
			फलदार	छायादार	औषधीय	Grand Total
1	Gorakhpur-U.P.	16	7780	3831	1684	13295
2	Kashi-U.P.	22	5936	2082	1378	9396
3	Awadh-U.P.	70	4384	1320	454	6158
4	Kanpur-U.P.	12	3950	1200	493	5643
5	Bareilly -U.P.	08	3019	1449	738	5206
6	Brij,DDD-U.P.	24	8631	4652	2788	16071
7	Meerut-U.P.	10	4508	766	428	5702
8	Uttarakhand	13	5623	830	388	6841
9	Hindupur (AP)	12	4772	1327	64	6163
10	Bihar	01	660	268	14	942
11	Maharashtra	04	462	152	71	685
12	Chhattisgarh	14	4923	3272	800	8995
13	Jharkhand	03	1114	788	387	2289
14	Madhya Pradesh	32	10456	5594	2784	18834
15	Rajasthan	24	10270	3981	1558	15809
16	Haryana	25	7957	3941	2152	14050
17	Gujarat	17	7552	3693	1661	12906
18	Delhi	04	711	201	98	1010
19	Assam	12	2144	848	645	3637
20	Manipur	02	870	77	51	998
21	Odisha	08	2423	407	388	3218
22	Tripura	02	509	22	44	575
23	Darjeeling (WB)	112	34905	9708	6080	50693
24	Bidar (KTK)	07	1881	961	425	3267
	Total	**400**	**135440**	**51370**	**25573**	**212383**

वृक्षारोपण की झलकियाँ समाचार पत्रों में...

हरियाली तीज पर लगाए गए बारह सौ सहजन के पौधे

● चार सौ गांवों में हुआ पौधों का रोपण

संवाददाता निघासन-खीरी।

सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अंतर्गत हरियाली तीज पर देश के 400 गावों में 1200 सहजन के पौधे लगाए गए। इसी क्रम में अवध क्षेत्र के निघासन तहसील के में ग्राम डंडूरी, बैरिया, बेल्हाडीह, सहतेपुरवा गांव में लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की माताओं ने सहजन के पौध लगाए। सभी गांव में 3-3 सहजन के पौधे लगाए गए। यह जानकारी सूर्या फाउंडेशन के क्षेत्र प्रमुख नरोत्तम सिंह ने दी। स्वस्थ भारत सुखी परिवार के भाव को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष हरियाली तीज के अवसर पर संस्था ने देशभर के 400 गावों में 1200 सहजन के पौधे लगवाने का लक्ष्य लिया है सहजन का पौधा बहुत ही गुणकारी है। यह हमारे शरीर के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। इसकी फूल, फल व पत्तियां सभी औषधीय है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण के साथ साथ अनेक प्रकार के विटामिन भी पाये जाते हैं जो हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत करने का काम करते हैं। इसके प्रयोग से कई प्रकार की बीमारियों जैसे गठिया, अस्थमा, डायबिटीज, सियाटिका और शारीरिक कमजोरी से छुटकारा दिलाता है। सभी को पौधे की उपयोगिता के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में समूह की माताएं, आशा देवी, रामसागरी देवी, सुखराना देवी आदि व फाउंडेशन के कार्यकर्ता सियाराम राज, राजू, मनोज कुमार, प्रदीप कुमार, विनोद कुमार, लवकुश, सियाराम दिवाकर व तरसेम सिंह आदि उपस्थित रहे।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा किया गया वृक्षारोपण

हमारा मैट्रो संवाददाता

गलगलिया, किशनगंज। सूर्या फाउंडेशन एक सामाजिक संस्था है जो लगातार समाजिक कार्य करती है जिससे की समाज के लोग लाभान्वित होते है।

आज इसी क्रम में सूर्या फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण के साथ सुपारी का पेड़ वितरित किया गया। सूर्या फाऊंडेशन के सोविन्दो बर्मन नें बताया आज भारत का आजादी का 75 वां वर्ष पूरा होने जा रहा है। इसलिए आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आदर्श जोत पानी टंकी में 75 सुपारी के पौधे वितरित किए गए।

श्री बर्मन नें बताया की सूर्या फाऊंडेशन के चेयरमैन जयप्रकाश अग्रवाल जी का सपना है की हमारा गांव के विकास से ही देश का विकास संभव है। सुपारी के पेड़ मिलने से स्थानीय महिलाएं काफी खुश दिखी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सूर्या फाउंडेशन से विनोद कुमार, सोबिंदो बर्मन, बिनोद छेत्री, घीयालाल गणेश तथा आदर्श जोत की महिलाएं उपस्थित थी।

सूर्या फाउंडेशन ने लगाए 10 गांवों में पौधे

(संवाद्दाता प्राईम काशीपुर)

काशीपुर। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के तहत क्षेत्र के कार्य युक्त १० गांव टीला, करणपुर, बसई का मजरा, हरियावाला, लालपुर, इमलीखेड़ा बांसखेड़ा गड़ीनेगी, भरतपुर, गिन्नीखेड़ा और बांसखेड़ा में हरियाली तीज के उपलक्ष में तीन तीन सहजन के पौधे लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम गांव के प्रधान सेवाभावी समिति वरिष्ठ व्यक्तियों द्वारा कराया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में सूर्या फाउंडेशन के डिप्टी जॉन प्रमुख अजय खरसन ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अंतर्गत हरियाली तीज पर देश के ४०० गांव में १२०० सहजन के पौधे लगाए गए हैं। सूर्या फाउंडेशन एक सामाजिक संस्था है जो पिछले २५ वर्षों से ग्राम विकास के लिए कार्य कर रही है संस्था द्वारा आदर्श गांव योजना के अंतर्गत ५ आयाम शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और समरसता के साथ-साथ अन्य प्रकार के अभियान जैसे वृक्षारोपण जल संरक्षण चलाए जा रहे हैं। सहजन का पौधा जिसे मुगना भी कहा जाता है यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। इसके फूल फल तथा पत्तियां शरीर को मजबूत करने का काम करता है इसके प्रयोग से कई प्रकार की बीमारियां जैसे गठिया, अस्थमा, डायबिटीज, साइटिका, शारीरिक कमजोरी आदि से छुटकारा मिलता है। इसे गांव का वैद भी कहा जाता है। पहला सुख निरोगी काया कहावत को ध्यान में रखते हुए सभी अपने अपने परिसर में एक सहजन का पौधा अवश्य लगाएं इस पौधे पर श्रेष्ठ प्रभाव नीतिश

సూర్యా...

రైతులకు ఉచితంగా విత్తనాల పంపిణీ.. హిందూపురంగ్రా మీణం: 'పోషణ్ వాటిక' కార్యక్రమంలో భాగంగా సూర్య ఫౌండేషన్ సంస్థ ఆధ్వర్యంలో బుధవారం గోళ్లాపురం, పరిసర గ్రామాల ప్రజలకు ఉచితంగా ఏడు రకాల కాయగూరల విత్తనాలు, ఆకుకూరల విత్తనాలు, ఒక పండు మొక్కను అందజేసినట్లు సంస్థ ప్రతినిధి వేణుగోపాల్ తెలిపారు. వ్యవసాయ సహాయకురాలు ఉమా మహేశ్వరీ, గ్రామ కార్యదర్శి ప్రేమ్‌కుమార్ సహజ ఎరువులను ఉపయోగించాలని రైతులకు అవగాహన కల్పించారు.

सूर्या फाउंडेशन ने रक्षाबंधन के दिन वृक्षारोपण कर पौधों के बांधी राखियां

कालवाड टाइम्स

निमेडा /मुन्ना चौधरी सूर्या फाउंडेशन ने आदर्श गांव योजना के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए बहन-भाई के प्यार का पर्व रक्षाबंधन के अवसर पर देश भर के कार्ययुक्त गॉवों में वट अथवा पीपल का पौधा लगाकर उसके संरक्षण के लिए राखी बांध कर जिम्मा उठाया। इसी क्रम में राजस्थान के भी 24 गाँवो में वट/पीपल के पौधे लगाए गए। क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा ने बताया कि प्रकृति के संरक्षण हेतु सूर्या फाउंडेशन द्वारा ऐसी सकारात्मक पहल पिछले 5 वर्षो से की जा रही है। इस प्रकार पर्यावरण संरक्षण हेतु सभी ग्रामवासी वट/पीपल के पौधे लगाकर, उनका पूजन कर व रक्षासूत्र बांधकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी लेते हैं। इस अभियान में पप्पू कुमार, सूरज सेन, सुजीत प्रजापत, मंगलचंद, श्रवण राम, दिनेश गिरी, पुखाराम प्रजापत, सोनू शर्मा, मुकेश नाथ, राजपुरी, सागर गोस्वामी, सहित 40 कार्यकर्त्ताओ ने प्रमुख भूमिका निभाई।

અરવલ્લી સુર્યા ફાઉન્ડેશન દ્વારા વૃક્ષારોપ મહાઅભિયાન કરાયુ

સમાચાર ટુડે (અરવલ્લી) સલીમખાન પઠાણ.

સુર્યા ફાઉન્ડેશન સંચાલિત સુર્યા આદર્શ ગાંવ યોજના અંતર્ગત દેશના ૧૮ રાજ્યોમાં વૃક્ષારોપણ મહાઅભિયાન ચાલી રહ્યું છે જેના ભાગરૂપે ગુજરાત રાજ્યના અરવલ્લી તેમજ કચ્છ જિલ્લા ના પાંતિયા, ભવાનપુર, શામલપુર, કુશકી, ધુલેટા, માધવનગર, વેનપુર વગેરે ગામમો વૃક્ષારોપણ કરવામાં આવી રહ્યું છે ગુજરાત સુર્યા આદર્શ ગાંવ યોજના પ્રમુખ શ્રી માહિપતભાઈ, કુશકી ગામના પ્રાથમિક શાળા ના આચાર્ય શ્રી નરેન્દ્રભાઈ તેમજ શિક્ષક શ્રી ઓ, સુર્યા અરવલ્લી ના પ્રમુખ શ્રી જયદીપજી ઠાકોર દ્વારા કુશકી પ્રાથમિક શાળા તેમજ ભવાનપુર ગામમાં વૃક્ષારોપણ કરવામાં આવ્યું હતું.

सूर्या फाउंडेशन ने गांव कसार में स्थापित की नक्षत्र वाटिका

संवाद न्यूज एजेंसी

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन की आदर्श ग्राम योजना के तहत वृक्षारोपण महा अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत गांव कसार में नक्षत्र वाटिका की स्थापना आरंभ की गई है। वाटिका में कुल 27 नक्षत्रों से संबंधित 27 प्रकार के पौधे लगाए गए हैं।

इस कार्य में सूर्या फाउंडेशन को गांव के निवासी और महर्षि मुदगदल कसार की संचालन समिति के लोग सहयोग कर रहे हैं। वाटिका में पौधरोपण का शुभारंभ शनिवार को यज्ञ करके किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मेम सूर्या रोशनी के अधिकारी हीरा कुमार, आश्रम के महंत मानगिरी महाराज, सूर्या फाउंडेशन के सहजोन प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप, संचालन समिति के अध्यक्ष संजय उर्फ काला, नंबरदार धारा सिंह व उनकी पत्नी सुरेश बाला देवी, ब्रिगेडियर महेंद्र, रौनक स्पेशल स्कूल की संचालक कुसुमलता कौशिक और उनके सहयोगी सविता भी उपस्थित रहे। फाउंडेशन से आए शत्रुहन लाल कश्यप ने बताया कि 27 नक्षत्र होते हैं और 27 नक्षत्रों के संबंधित पौधे भी होते हैं, इसीलिए इस वाटिका का नाम नक्षत्र वाटिका रखा गया है। ये सभी पौधे औषधि गुणों से युक्त हैं।

नक्षत्र वाटिका में पौधरोपण करते ग्रामीण व फाउंडेशन के सदस्य। संवाद

आश्रम समिति के अध्यक्ष संजय कालू ने बताया कि बहुत दिनों से हमारा सपना था कि यहां एक नक्षत्र वाटिका का निर्माण हो। उसी को देखते हुए एक साल पहले प्रयास किया गया था किंतु किन्हीं कारणों से सफल नहीं हो पाया था। अब सूर्या फाउंडेशन के सहयोग से हमने पुनः नक्षत्र वाटिका पूर्ण कर लिया है।

उन्होंने कहा कि नक्षत्र वाटिका का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व भी है। यह शरीर पंचतत्वों से मिलकर बना है। जब कि हम कभी पूजापाठ में ग्रहों की शांति या वातावरण को शुद्ध करते हैं तो इन ग्रहों व नक्षत्रों से संबंधित पेड़ों की पूजा कराई जाती है। हवन सामग्री में भी इनका प्रयोग होता है। इन पेड़ों का प्रयोग करके हम उन ग्रहों या नक्षत्रों को बलशाली नहीं बनाते बल्कि शरीर में भीतर मौजूद उन ग्रहों के तत्वों को ऊर्जा देते हैं। इसीलिए, इनका जीवन में विशेष महत्व है। कार्यक्रम में ग्रामवासियों के अलावा सूर्या रोशनी से डॉ. के. मंडल, धर्मेंद्र, कंवल कुमार व विनोद शर्मा आदि उपस्थित रहे।

नक्षत्र, उनके देवता और पौधे इस प्रकार है

अश्वनी	अश्वनी	कुजला
भरणी	यम	आंवला
कृतिका	अग्नि	उदुंबर या गूलर
रोहिणी	ब्रह्मा	जामुन
मृगशिरा	इंदु	खैर
आद्रा	रुद्र	कृष्ण अगरू, शीशम
पुनर्वसु	अदिति	बांस
पुष्य	गुरु	अश्वत्थ, पीपल
आश्लेषा	सर्	नागकेशर
मघा	पितर	बरगद
पूर्वा फाल्गुनी	भग	ढाक प्लास
उत्तरा फाल्गुनी		आर्यमा - पाकड़
हस्त	सूर्	चमेली
चित्रा	त्वष्टा	बेल
स्वाती	वायु	अर्जुन
विशाखा	इंद्राग्नि	नागकेशर, कटाई कैथ
अनुराधा	मित्र	मौलसरी
ज्येष्ठा	इंद्र	शीशम, चीड़, सेवेर
मूल	निरुति	शाल
पूर्वाषाढ़ा	आप	बैंत, जलवेतर
उत्तराषाढ़ा	विश्वेदेवा	कटहल
श्रवण	विष्णु	आक
धनिष्ठा	वसु	शमी, सफेद कीकर
शततारका	वरुण	कदंब
पूर्वाभाद्रपद	अजैकपाद	आम
उत्तराभाद्रपद	अहिर्बुध्न्य	नीम